an>

Title: Need to reinstate the services of all the 'Lok Shikshaks' in Bihar.

**श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल (महाराजगंज) :** अध्यक्ष महोदया, बिहार में पिछले कई महीनों से विद्यालयों में शिक्षण कार्य ठप है, शिक्षक अपनी मांगों के समर्थन में हड़ताल पर हैं। सरकार उनकी मांगों को नहीं मान रही है और उनके ऊपर लाठियां बरसाने का काम कर रही है। ऐसा आज ही नहीं, पहले भी बिहार के शिक्षकों द्वारा होता आया है। वÂ०ाऩ 2003 में लगभग 25000 लोक शिक्षकों की नियुक्ति हुई थी। नियुक्ति केन्द्र सरकार के सभी नियमों का पालन करते हुए की गयी थी। नियुक्त लोक शिक्षकों ने 26 माह तक कार्य भी किया, इसके बाद उनके सभी सेंटर्स को बंद करते हुए उन्हें कार्य से हटा दिया गया। कार्य से हटाने के बाद उक्त लोक शिक्षकगण माननीय उच्च न्यायालय की शरण में गए, उच्च न्यायालय का निर्णय लोक शिक्षकों के पक्ष में हुआ। इसके बाद भी बिहार सरकार द्वारा लोक शिक्षकों के समायोजन की दिशा में कोई ठोस कार्य नहीं किया गया है।...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** यह स्टेट का इश्यू है। बस हो गया।

**श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल:** उनको केवल समायोजन का आश्वासन भर दिया जाता है। उक्त परिस्थिति में सभी लोक शिक्षकों की स्थिति बदहाल हो गयी है। अतः मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूं कि लोक शिक्षकों की उक्त स्थिति पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए, उनके समायोजन हेतु बिहार सरकार को शीघ्र उचित दिशानिर्देश दे। धन्यवाद।